Rajasthan Patrika

Edition: Ahmedabad | **Date:** July 02, 2009 | **Page No:** 02 | **Category:** Krishna Hospital

घुटना प्रतिस्थापन के बाद जरूरी नहीं फीजियोथेरेपी

अहमदाबाद, 1 जुलाई (का.सं.)। निजी क्षेत्र के जाने-माने अस्पताल कृष्णा हार्ट व सुपर स्पेशलिटी इंस्टीट्यूट के एक चिकित्सक ने एक नई तकनीक विकसित की है जिसके तहत घुटना प्रतिस्थापन के बाद मरीज को फीजियोथेरेपी की जरूरत नहीं पड़ेगी। बोपल-घुमा स्थित इंस्टीट्यूट के घुटना प्रतिस्थापन विभाग के प्रमुख डॉ के.सी.मेहता ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि घुटना प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण के बाद अब मरीजों को किसी तरह के शारीरिक कसरत की आवश्यकता नहीं होगी।

मेहता ने मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी तकनीक अपनाई है। इसके तहत काफी छोटा छेद किया जाता है जिस कारण इन्फेक्शन की संभावना काफी कम हो जाती है। सिर्फ एक प्रतिशत मरीज को ही रक्त चढाने (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) की जरूरत होती है। इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक डॉ अनीमिश ने कहा कि कृष्णा अस्पताल ने परिमल गार्डन, कांकरिया व बापूनगर में भी अपने केन्द्र खोले हैं। जिससे शहर में रहने वाले मरीजों को चिकित्सा का लाभ मिल सकेगा।